Press Release- Invest UP (Infrastructure & Industrial Dev. Dept., U.P.)

उत्तर प्रदेश में कृषि नवाचारों का प्रदर्शन करेगा एग्रोटेक इंडिया का 16वां संस्करण

माननीय मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ चार दिवसीय सीआईआई एग्रो टेक इंडिया- कृषि भारत का उद्घाटन करेंगे

लखनऊ, 14 नवंबर, 2024:

अपनी उपजाऊ भूमि और जड़ों से जुडी कृषि परम्पराओं के लिए प्रसिद्ध उत्तर प्रदेश, भारतीय उद्योग परिसंघ (CII) के एग्रोटेक इंडिया- कृषि भारत के 16वें संस्करण की मेजबानी करने के लिए तैयार है। यह चार दिवसीय आयोजन 15 से 18 नवंबर, 2024 तक वृंदावन योजना पार्क, लखनऊ में आयोजित किया जाएगा।

इस आयोजन का उद्घाटन माननीय मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ करेंगे और इस अवसर पर उत्तर प्रदेश के माननीय कृषि मंत्री श्री सूर्य प्रताप शाही भी उपस्थित रहेंगे। माननीय मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में, एग्रोटेक इंडिया 2024 एक महत्वपूर्ण आयोजन बनने जा रहा है जो उत्तर प्रदेश और पूरे देश में किसानों को सशक्त बनाने के लिए टिकाऊ विकास को बढ़ावा देगा।

उत्तर प्रदेश सरकार के विजन के बारे में बात करते हुए, उत्तर प्रदेश की कृषि उत्पादन आयुक्त श्रीमती मोनिका गर्ग ने गुरुवार को कहा, "अपनी समृद्ध कृषि विरासत और व्यापक विकास क्षमता के साथ, उत्तर प्रदेश CII एग्रो टेक इंडिया – कृषि भारत के माध्यम से कृषि के भविष्य को अपनाने के लिए तैयार है। यह आयोजन हमारी राज्य की गहरी जड़ों वाली कृषि परंपराओं और अत्याधुनिक प्रौद्योगिकी को जोड़ने की दिशा में एक शक्तिशाली कदम है। यह आधुनिक तकनीकों और नवीन कृषि पद्धतियों को अपनाने की हमारी प्रतिबद्धता के साथ मेल खाता है, जो किसानों को सशक्त बनाने की हमारी दृष्टि का समर्थन करता है।"

श्रीमती मोनिका गर्ग ने आगे कहा कि, "उत्तर प्रदेश की कृषि परंपरा में रची-बसी है, लेकिन परिवर्तन के लिए तैयार है। हम उनके तरीकों को आधुनिक बनाने और कृषि अर्थव्यवस्था को बढ़ावा देने का लक्ष्य रखते हैं, जिससे भारत के सबसे जीवंत कृषि परिदृश्यों में से एक के लिए एक स्थायी और टिकाऊ भविष्य बन सके। हमारे पास संसाधनों की बहुतायत है, विविध फसलों की संभावनाएं हैं, और एक मजबूत किसान समुदाय है। हमारा ध्यान उत्पादकता बढ़ाने के साथ-साथ हमारी भूमि और संसाधनों को संरक्षित करते हुए टिकाऊ प्रथाओं को बढ़ावा देने पर है।"

उन्होंने यह भी कहा, "कृषि क्षेत्र में नवीनतम प्रगति के बारे में किसानों को शिक्षित करना और उन्हें आधुनिक तकनीकों से जोड़ना हमारी जिम्मेदारी है। सरकार किसानों को सब्सिडी देने का हर संभव प्रयास कर रही है। उदाहरण के लिए, यदि फार्म मशीनरी बैंक में कृषि उपकरणों की लागत ₹10 लाख है, तो 80% सब्सिडी उपलब्ध है। कृषि भारत में देश-विदेश से कंपनियां अपने उत्पादों का प्रदर्शन करेंगी। हमने इस आयोजन में अधिक से अधिक किसान सहभागिता सुनिश्चित करने के लिए कृषि संस्थानों और स्कूलों से संपर्क किया है। यदि किसान गेहूं और चावल जैसे पारंपरिक फसलों से आगे सोचें और अन्य विकल्पों का पता लगाएं, तो उन्हें और अधिक लाभ मिल सकता है।"

DAP उर्वरक पर बात करते हुए उन्होंने कहा, "राज्य में उर्वरकों की कोई कमी नहीं है, हालांकि कुछ अंतरराष्ट्रीय कारणों से आपूर्ति सीमित रही है। इस वर्ष, हमने पिछले नवंबर की तुलना में अधिक उर्वरक उपलब्ध कराए हैं। कृषि विभाग ने हाल ही में एक सरकारी आदेश जारी किया है, जो सहकारी समितियों के माध्यम से उर्वरकों की उपलब्धता को बढ़ाएगा। अब इन सहकारी समितियों को लगभग 30% अधिक उर्वरक उपलब्ध होगा, जिससे आपूर्ति की समस्या काफी हद तक हल हो जाएगी।"

कृषि के प्रधान सचिव रविंद्र कुमार ने अपने विचार व्यक्त करते हुए कहा, "नीदरलैंड के उपमंत्री और मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ उद्घाटन समारोह में उपस्थित होंगे। पिछले चार वर्षों में, उत्तर प्रदेश ने 50 मिलियन टन दूध का उत्पादन करके देश का नंबर एक राज्य बन गया है। हमें किसानों को प्रौद्योगिकी पर विश्वास करने के लिए प्रेरित करना चाहिए।"

CII उत्तर प्रदेश की चेयरपर्सन और पीटीसी इंडस्ट्रीज लिमिटेड की सीएफओ एवं निदेशक, श्रीमती स्मिता अग्रवाल ने कहा, "CII एग्रो टेक इंडिया – कृषि भारत जैसे आयोजनों के माध्यम से, हम कृषि समुदाय को सशक्त बनाने के लिए नवाचार और सहयोग को बढ़ावा देने वाले प्रभावशाली मंच बनाने का लक्ष्य रखते हैं। इस प्रयास में उत्तर प्रदेश के विशाल कृषि क्षमता के लिए आदर्श पृष्ठभूमि प्रदान करता है। हम इस आयोजन की मेजबानी के लिए उत्तर प्रदेश सरकार के निरंतर समर्थन के लिए आभारी हैं, जो हमारे टिकाऊ खेती पद्धतियों को बढ़ावा देने और राज्य के किसानों और कृषि उद्यमियों के लिए आर्थिक वृद्धि को बढ़ावा देने की प्रतिबद्धता के साथ मेल खाता है।"

उन्होंने आगे कहा कि यह आयोजन कई सम्मेलनों का आयोजन करेगा, जिसमें विशेष रूप से शुगर टेक कॉन्फ्रेंस पर ध्यान केंद्रित किया जाएगा। नीदरलैंड के प्रतिनिधि और महिंद्रा तथा सोनालिका जैसी प्रमुख कंपनियां भी इसमें शामिल होंगी, जो कृषि से जुड़े उद्यमिता को बढ़ावा देने पर चर्चा करेंगी।

चार दिवसीय इस आयोजन में 200 से अधिक प्रदर्शक भाग लेंगे, जिसमें नीदरलैंड एक भागीदार देश के रूप में शामिल होगा। यह किसानों के लिए अत्याधुनिक तकनीकों, खाद्य प्रसंस्करण और एग्रीटेक के वैश्विक नवाचारों का एक विशेष मंच होगा। प्रदर्शनी 20,000 वर्गमीटर में फैली होगी और 100,000 से अधिक किसानों के आने की उम्मीद है। इसके मुख्य आकर्षण में शामिल हैं:

- **किसान गोष्ठियाँ और अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन:** आधुनिक प्रथाओं और टिकाऊ तरीकों पर महत्वपूर्ण विचार-विमर्श को सक्षम बनाना।
- **छह समवर्ती शो:** खाद्य तकनीक, फार्म तकनीक, इम्प्लिमेंटेक्स, डेयरी और पशुधन, फार्म सेवाएं, और गुड अर्थ जैसे खंडों को कवर करना।
- **अंतर्राष्ट्रीय प्रतिनिधिमंडल:** दुनिया भर के कृषि-तकनीक नेताओं और इनोवेटर्स की उपस्थिति।
- **एफपीओ पवेलियन:** छोटे किसानों के कृषि व्यवसाय संघ (SFAC) द्वारा एक विशेष एफपीओ पवेलियन।

एग्रोटेक इंडिया 2024 का उद्देश्य राज्य के कृषि उत्पादन में महत्वपूर्ण योगदान देने वाले उत्तर प्रदेश को एक ऐसे मंच पर लाना है जहाँ उद्योग के अग्रणी, नवप्रवर्तक, नीति निर्माता और किसान एक साथ आकर ज्ञान साझा कर सकें, अवसरों का पता लगा सकें और भारतीय कृषि के भविष्य के लिए सहयोग कर सकें।